अध्यक्षीय कार्यकाल का एक वर्ष

(21फरवरी 2021 से – 21 फरवरी 2022 तक)

श्री गिरीश गौतम
अध्यक्ष, मप्र विधानसभा

संसदीय परंपराओं का पालन
समर्पण, सेवा, सादगी

अनुसूचित जाति कल्याण संबंधी समिति की बैठक में भाग लेते
विस अध्यक्ष गिरीश गौतम का स्वागत करते हुए प्रमुख सचिव श्री ए.पी. सिंह।

ऐतिहासिक पल : असंसदीय शब्द एवं वाक्यों का संग्रह नामक पुस्तक लोकार्पण के अवसर पर
विस अध्यक्ष गिरीश गौतम, सीएम शिवराज नेता प्रतिपक्ष कमलनाथ एवं अन्य सम्मानित सदस्यगण।

सदन/समितियों के संबंध में

(1) सदन एवं सदस्यों से संबंधित विभिन्न विषयों / मुद्दों पर अध्यक्ष को परामर्श देने संबंधी समिति।

(2) पिछड़ावर्ग – कल्याण – समिति ।

(3) अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण समिति ।

(4) शिष्टाचार एवं सम्मेलन अनुरक्षण समिति संबंधी प्रथम बार चार समितियों का गठन किया गया ।

(5) 8 मार्च महिला दिवस पर सभापति श्रीमती झूमा सोलंकी को सदन की कार्यवाही का संचालन का दायित्व दिया तथा महिला विधायकों ने प्रश्न पूछने की प्राथमिकता।

(6) 1554 से लेकर 2021 तक 1161 शब्द एवं वाक्यों को असंसदीय माना गया एवं पूर्व पीठासीन अधिकारियों द्वारा विलोपित किया गया। जिसका संकलन तैयार कर प्रकाशन किया गया, जिसका उद्देश्य वर्तमान माननीय सदस्य इन विलोपित शब्दों का उल्लेख सदन में न करें । इससे सदन की गरिमा में वृद्धि होगी।

(7) प्रश्नकाल में लिखित प्रश्न पढ़ने एवं दोहराने की अनुमति नहीं होगी संबंधित प्रश्न के पूरक प्रश्न ही माननीय सदस्य पूछ सकते हैं जिससे 1 घंटे में अधिक से अधिक प्रश्नों पर चर्चा हो सके। इस प्रक्रिया से अधिक से अधिक प्रश्न सदन में चर्चा के लिए आ सकेंगे।

(8) माननीय मंत्री जी जिस तरह तारांकित प्रश्न के उत्तर की ब्रिफिंग (तैयारी) विभाग के अधिकारियों द्वारा कराई जाती है उसी तरह सम्मेलन कक्ष में माननीय विधायकों की ब्रिफिंग वरिष्ठ सदस्यों के साथ सचिवालय द्वारा कराया जा रहा है । इस नवाचार से संसदीय परंपरा और सदस्यों में एक संयम का भाव पैदा होगा ।

(9) 15वीं विधान सभा में प्रथम बार के 82 सदस्य चुनकर आये हैं इन सदस्यों को सदन में एक दिन का प्रश्नकाल का समय विगत सत्रों में दिया गया जिसमें अधिक से अधिक माननीय सदस्यों ने भाग लिया ।

सदन की कार्यवाही में भाग लेने जाते हुए विधान सभा अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम।

विधान सभा के संसदीय उत्कृष्टता पुरस्कार समिति में श्री गिरीश गौतम अध्यक्ष,
सभापति डॉ. सीतारमन शर्मा एवं सदस्य सुश्री हीना कावरे, श्री राजेन्द्र शर्मा एवं प्रमुख सचिव ए.पी. सिंह।

(10) विधान सभा के संसदीय उत्कृष्टता पुरस्कार 2008 से नही दिए गए हैं। अब विधान सभा संसदीय पुरस्कार पुन: शुरु किया जा रहा है। इनमें श्रेष्ठ मंत्री, विधायकों के साथ ही विधान सभा के श्रेष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारियों का चयन होगा।

(11) चौथा स्तंभ मीडिया क्षेत्र से दो पुरस्कार दिये जाते हैं संसदीय पत्रकारिता पुरस्कार – (प्रिंट) प्रदेश की प्रथम महिला नेता प्रतिपक्ष श्रीमती जमुना देवी की स्मृति में संसदीय पत्रकारिता पुरस्कार एवं (इलेक्ट्रानिक) वरिष्ठ पत्रकार मणिशंकर बाजपेयी की स्मृति में।

(12) विधायक पुरस्कार पूर्व मुख्यमंत्री श्री सुन्दरलाल पटवा की स्मृति में दिया जायेगा तथा मंत्री पुरस्कार प्रथम मुख्यमंत्री श्री रविशंकर शुक्ल की स्मृति में दिया जायेगा।

(13) आमजन की समस्याओं का अभ्यावेदन स्वीकार कर निराकरण किये जाने के प्रयास तीव्र गति से हो रहे हैं।

(14) विधान सभा की वित्तीय समितियों के साथ अन्य समितियों को भी शसक्त बनाने का प्रयास किया गया। विशेषकर आश्वासन समिति एवं प्रश्न संदर्भ समिति के आश्वासनों की पूर्ति तथा और अधिक समिति की बैठकें हों इस पर निरंतता जारी है।

(15) विधान सभा की समितियों में माननीय सदस्य अधिक से अधिक उपस्थित रहें इसके लिये विशेष प्रयास किया जा रहा है।

(16) विधान सभा समितियों में विभागीय अधिकारी साक्ष्य में विशेष कारण होने पर ही अनुपस्थित रह सकेगें, नही तो समिति के अनुरोध पर अध्यक्ष इसे संज्ञान में लेकर अग्रिम कार्यवाही प्रस्तावित होगी।

नई दिल्ली में आयोजित लोक लेखा समिति सम्मेलन के अवसर पर लोक सभा अध्यक्ष ओम विडला से चर्चा करते विधान सभा अध्यक्ष गिरीश गौतम एवं प्रमुख सचिव ए.पी. सिंह।

नई दिल्ली में आयोजित लोक लेखा समिति के सम्मेलन में भाग लेते हुए विधान सभा अध्यक्ष गिरीश गौतम।

पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन में भागीदारी
(राज्य के बाहर सम्मेलन)

(1) 82वां अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन शिमला में आयोजित। इस आयोजन में म.प्र. की ओर से स्टेडिंग कमेटी की बैठक को संबोधित किया। माननीय लोक सभा अध्यक्ष इस अवसर पर कुछ मार्गदर्शक सिंद्धात जारी कर सकते हैं जो देश की सभी विधान सभाओं में लागू किया जा सके। तथा अपने उद्बबोधन में कहा था कि बिना बहस के पास होने पर कानूनो के विषय पर विचार किया जाना चाहिये । विशेष कर दांडिक अपराध के लिए तय होने वाले ऐसे कानूनों पर सदन में बहस अत्यन्त आवश्यक है ।

(2) पीठासीन अधिकारी सम्मेलन को सम्बोरधित करते हुए विधान सभा अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम ने लोक सभा स्पीकर के सामने सुझाव रखा कि वर्तमान कार्यकाल में सिर्फ गुजरात विधान सभा की अध्यक्ष महिला है। इसलिए वहां की अध्यक्ष डॉ. नीमाबेन भावेश भाई आचार्य को पीठासीन सम्मेलन में सभापति बनाया जाये, लोक सभा अध्यक्ष ने इस सुझाव को मानते हुए डॉ. नीमाबेन को सभापति नियुक्त किया । इस कार्य की सदन में एवं देश भर से सराहना मिली।

(3) लोकसभा में लोक लेखा समिति के शताब्दी वर्ष राष्ट्रीय सम्मेलन में विधान सभा अध्यक्ष एवं सभापति लोक लेखा एवं प्राक्कलन समिति के साथ प्रमुख सचिव ने भाग लिया तथा वर्ष 2015 में लोक सभा में सम्मेलन में आये सुझावों को लागू किये जाने के साथ ही उसे और अधिक लोक लेखा समिति से शसक्त बने, इस पर महत्वपूर्ण सुझाव दिये ।

(4) उत्तर प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष से मुलाकात एवं उप समिति पीठासीन की मध्यप्रदेश में बैठक किये जाने का आमत्रंण ।

(5) माननीय लोक सभा अध्यक्ष से मुलाकात कर मध्यप्रदेश में भी पीठासीन सम्मेलन किया जाये, इस तरह का प्रस्ताव म.प्र.विधान सभा की ओर से दिया गया ।

(6) पूना की प्रसिद्ध संस्था 'भारतीय छात्र संसद" का 23 से 28 सितम्बर, का आयोजन हुआ जिसमें ""राजनीति में युवा – भ्रम और यथार्थ" विषय पर वर्च्युअल रुप में संबोधित किया ।

मध्यप्रदेश पुरानी पेंशन बहाली आंदोलन महासंघ की बैठक को संबोधित करते हुए
मध्यप्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा विधान सभा अध्यक्ष
गिरीश गौतम को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत करते हुए।

विधान सभा सचिवालय के अंतर्गत हुए कार्य

(1) **आवास सुविधा:** विधान सभा के तृतीय / चतुर्थ श्रेणी के 44 कर्मचारियों को पारी से बाहर आवास मुख्यमंत्री जी से आवंटित कराकर दिये गये। कर्मचारियों को आवास आवंटन में प्राथमिकता की दृष्टि से महिला, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कर्मचारियों को दी गई। शेष बचे मकान अन्य कर्मचारियों कि दिया गया।

(2) **कर्मचारी हितैषी निर्णय:** विधान सभा सचिवालय में प्रथम वार अधिकारियों / कर्मचारियों की समस्याओं पर अभ्यावेदन समिति का गठन किया गया। जिसमें कर्मचारियों को क्रमोन्नति / पदोन्नति / समयमान वेतनमान एवं ग्रेडेशन लिस्ट जैसी आदि समस्याओं का निराकरण 6 माह में किया गया। इससे जुड़ी प्रक्रिया आगे भी जारी है।

(3) उप सचिव स्तर के समस्त अधिकारियों को प्रथम बार राज्य शासन, मंत्रालय के उप सचिव के समान वाहन की सुविधा दी गई है।

(4) **नई परंपरा:** विधान सभा अध्यक्ष द्वारा पहली बार नई परम्परा शुरु कर अतिंम छोर के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के साथ उनकी समस्याओं के लिए एक अतिरिक्त कक्ष में बैठक की एवं उनकी समस्याएं सुनी एवं निराकरण किया गया। तृतीय एवं द्वितीय श्रेणी के कर्मचारियों / अधिकारियों को भी श्रेणीवार, वर्गवार पृथक पृथक निरंतर बैठक कर उनका समाधान किया गया। इसी तरह प्रथम श्रेणी के अधिकारियों की भी समस्याएं एवं उसका निदान किया गया।

(5) **सचिवालय का आधुनिकीकरण:** विधान सभा सचिवालय की विभिन्न शाखाओं को आधुनिकीकरण से सुसज्जित किया। सचिवालय की प्रश्न शाखा, सदस्य सुविधा शाखा सहित अनेक शाखाओं को नये रुप में सुसज्जित किया गया है। कर्मचारियों / अधिकारियों में कार्य करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

(6) **प्रक्रिया का सरलीकरण:** रचना नगर आवासीय योजना में माननीय सदस्यों एवं विधान सभा के कर्मचारियों तथा आमजन के प्रक्रिया को लिए सरल एवं सुलभ किया।

22 फरवरी 2021 को प्रथम बार अध्यक्ष चुने जाने के बाद सदन में
प्रवेश करते हुए विधान सभा अध्यक्ष गिरीश गौतम।

विधान सभा अध्यक्ष निर्वाचित होने पर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा,
नेता प्रतिपक्ष कमलनाथ से बधाई स्वीकार करते हुए विधान सभा अध्यक्ष गिरीश गौतम।

माननीय सदस्यों की सुविधाओं में वृद्धि

(1) अवकाश के दिनों में भी रेलवे आरक्षण एवं कूपन सुविधा पहली बार मिल रही है ।

(2) अध्यक्षीय द्वार से माननीय मंत्री / विधायकों को प्रवेश की अनुमति ।

(3) म.प्र.भवन, नई दिल्ली में नया भवन बनाया जा रहा है जिसमें महामहिम राज्यपाल / माननीय मुख्यमंत्री की तरह माननीय विधान सभा अध्यक्ष / नेता प्रतिपक्ष का भी कक्ष के साथ माननीय सदस्यों के लिए विशेष आरक्षण सुविधा।

(4) सदन में दिये गये भाषण की आडियो / वीडियो की सुविधा पहली बार प्रारंभ। माननीय सदन के सदस्यों द्वारा दिये गये भाषण की वीडियो पेनड्राईव में तुंरत उपलब्ध होती है ।

(5) विधान सभा की "'अ" पार्किंग में माननीय मंत्रियों की तरह विधायकों को पूरी तरह कर दी गई है । एवं आयुक्त, सचिव स्तर के अधिकारियों को "'ब" पार्किंग आवंटित।

(6) प्रथम बार प्रोटोकाल समिति का पृथक से गठन किया गया (मान.सदस्यों की शिष्टाचार एवं सम्मान अनुरंक्षण समिति) का गठन किया गया है ।

मध्यप्रदेश विधान सभा अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम कार्यालय में
अधिकारियों से खास मुददों पर चर्चा करते हुए।

कोविड - 19 के दौरान दिवंगत मीडिया कर्मियों संबंध तैयार की गई पुस्तक का विमोचन करते विधान सभा अध्यक्ष गिरीश गौतम, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, नेताप्रतिपक्ष कमलनाथ, गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा आदि।

सदन के भूतपूर्व सदस्यों को दी जा रही सुविधाएं

विधायक विश्राम गृह में निम्नलिखित सुविधाएं

(1) एक माह में 6 दिवस ठहरने एवं स्वल्पाहार की व्यवस्था निःशुल्क।

(2) 25 कमरे पूर्व विधायकों के लिए आरक्षित किये गये हैं। महिला पूर्व विधायकों को पांच कमरे विशेष रुप से हमेशा आरक्षित रहेंगे, जो महिला विधायक को दिया जायेगा।

(3) भोजनालय में माननीय सदस्यों की तरह पूर्व विधायकों को पृथक से बैठने की व्यवस्था रहेगी।

(4) पूर्व विधान सभा अध्यक्ष एवं पूर्व विधायकों को प्रोटोकाल में शामिल किये जाने हेतु विधान सभा द्वारा अनुशंसा कर, शासन में प्रेषित।

(5) पूर्व विधायकों का सम्मेलन प्रस्तावित है।

म.प्र. विधान सभा की महत्वपूर्ण समिति कार्यमंत्रणा की बैठक में सत्तापक्ष और विपक्ष के माननीय सदस्यों से चर्चा करते हुए विस अध्यक्ष गिरीश गौतम।

विधान सभा क्षेत्र देवतालाब में साईकिल यात्रा के प्रारंभ अवसर पर
विधान सभा अध्यक्ष गिरीश गौतम।

साईकिल यात्रा के दौरान स्कूल में छात्र-छात्राओं से संवाद कर
शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करते विधान सभा अध्यक्ष गिरीश गौतम।

विन्ध्य के विकास के लिए साईकिल यात्रा

(1) जन संवाद कर समस्याओं का निराकरण करने हेतु "साइकिल यात्रा" की गई, जिसको पूरे प्रदेश / देश में जाना गया ।

साईकिल यात्रा क्यों थी ?

- यह यात्रा प्रोटोकाल के बिना यात्रा की गई।
- आमजन साइकिल यात्रा में शामिल थे।
- आमजन की समस्याओं का त्वरित निकारण किया गया।
- लोक संस्कृति / नित्य।
- यात्रा के दौरान आदिवासी / मजदूर परिवारों के साथ भोजन।
- स्कूल एवं कालेजों में रात्रि विश्राम तथा रुकने का भुगतान किया गया।
- खेतों में धान काटने से लेकर स्कूलों में पढ़ाने तक का सफर साइकिल यात्रा में की गई।
- ब्लड बैंक को ब्लड डोनेट करने आदि जैसे सामाजिक कार्य भी हुए।

(2) विगत एक वर्ष में विन्ध्य के लिए सिंचाई / सड़क एवं देवतालाब विधान सभा क्षेत्र के लिये (मान.अध्यक्ष) अनुरोध पर मान. मुख्यमंत्री जी ने काफी कार्य किये है.।

(3) विन्ध्य को नई रेल (साप्ताहिक) प्राप्त हुई है ।

(4) रेल सुविधा के लिए निरंतर जी.एम. एवं डी.आर.एम.से मुलाकात की गई ।

(5) मरीजों को ठहरने के लिये नागपुर में भवन बनाने का प्रस्ता व।

(6) रीवा में कैंसर रिसर्च सेंटर / हास्पिटल की स्थापना की पहल ।

WHO के सदस्यों के साथ चर्चा करते विधान सभा अध्यक्ष गिरीश गौतम।

इंदिरा सागर/ओंकारेश्वर बांध के छाया चित्रों का अवलोकन करते विधान सभा अध्यक्ष गिरीश गौतम।

विधान सभा में प्रवेश एवं पत्रकार दीर्घा

(1) पत्रकारों के प्रवेश तथा पत्रकार दीर्घा में कोविड-19 के अंतर्गत बैठने की व्यवस्था का के साथ प्रिंट एवं एलेक्ट्रानिक मीडिया के वार्ता की समुचित व्यवस्था का सरलीकरण करने का प्रयास किया गया ।

(2) WHO के प्रतिनिधियों के साथ म.प्र.विधान सभा के सदस्यों के साथ प्रथम वार बैठक हुई जिसमें को़विड-19 के साथ ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार हेतु चर्चा हुई ।

मध्यप्रदेश विधान सभा की कार्यवाही का संचालन करते अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम।

विभिन्न अवसरों पर अतिगणमान्य लोगों से मुलाकात

सदन में तत्कालीन राज्यपाल श्रीमती आनन्दी बेन पटेल
का स्वागत करते विधान सभा अध्यक्ष गिरीश गौतम।

सौजन्य मुलाकात : प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल से
मुलाकात करते विधान सभा अध्यक्ष गिरीश गौतम।

जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर राजधानी भोपाल पधारे भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का विमानतल पर स्वागत करते विधान सभा अध्यक्ष गिरीश गौतम।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात कर स्मृति चिन्ह प्रदान करते गिरीश गौतम।

देश के गृह मंत्री अमित भाई शाह से चर्चा करते गिरीश गौतम।

देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर स्मृति चिन्ह प्रदान करते गिरीश गौतम।

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर स्मृति चिन्ह प्रदान करते गिरीश गौतम।

केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर से मुलाकात कर
स्मृति चिन्ह प्रदान करते गिरीश गौतम।

केन्द्रीय मंत्री थावरचन्द गहलोत से मुलाकात कर स्मृति चिन्ह प्रदान करते गिरीश गौतम।

केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मुलाकात कर
स्मृति चिन्ह प्रदान करते गिरीश गौतम।

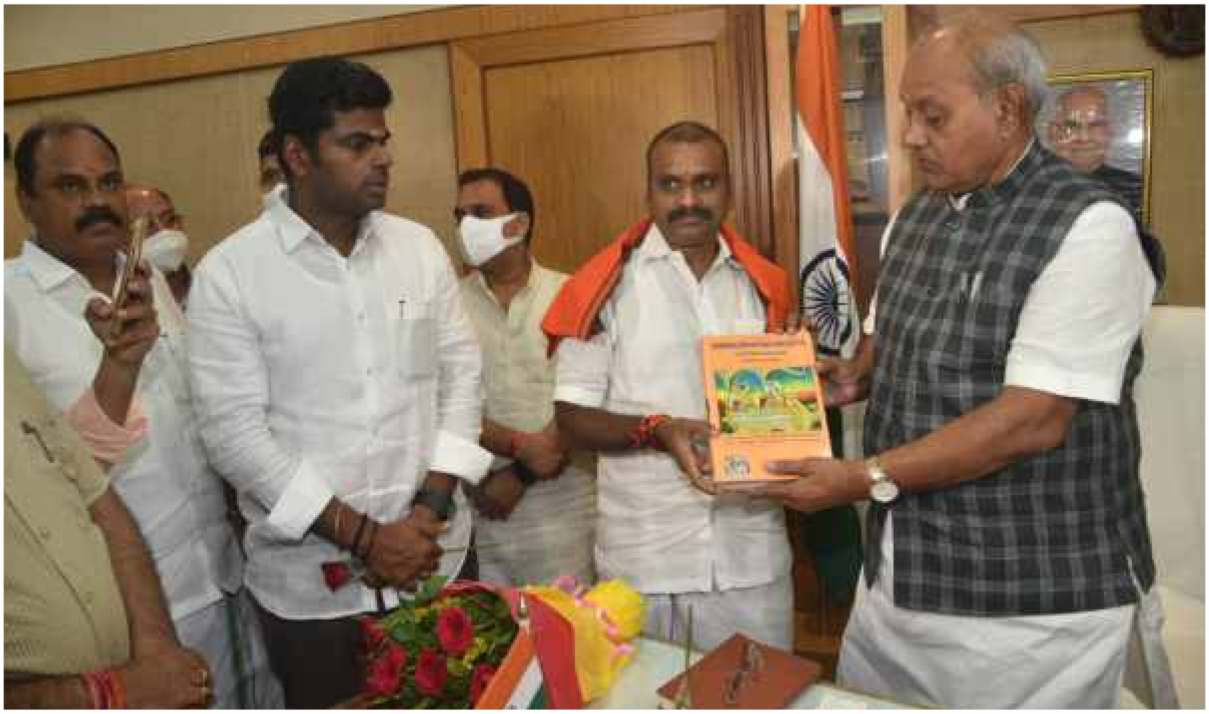

राज्य सभा के लिए निर्वाचित सदस्य एल मुरुगन को रामायण भेंट करते हुए गिरीश गौतम।

पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा ताई से सौजन्य मुलाकात करते गिरीश गौतम।

विधान सभा अध्यक्ष गिरीश गौतम का तिलक लगाकर
स्नेह आशीष देतीं पूर्व मुख्यमंत्री साध्वी उमा भारती।

भाजपा के राष्ट्रीय राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय से
मुलाकात करते विस अध्यक्ष गिरीश गौतम।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद श्री वी.डी. शर्मा से सौजन्य भेंट करते गिरीश गौतम।

पौधारोपण करते गिरीश गौतम।

मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद अपने परिवार के साथ नये घर में गृह प्रवेश करते श्री गिरीश गौतम।

धार प्रवास के दौरान आदिवासियों से भेंट करते हुए श्री गिरीश गौतम।

धार प्रवास के दौरान आदिवासी के घर भोजन करते गिरीश गौतम।

महेश्वर यात्रा के दौरान बुनकरों की समस्या सुनते गिरीश गौतम।

सूर्य उपासना का पर्व छठ पूजा में शामिल गिरीश गौतम।

जैन समाज के कार्यक्रम में उपस्थित गिरीश गौतम।

राजधानी में आयोजित पत्रकारिता महोत्सव को संबोधित करते गिरीश गौतम।

कोरोना 19 से बचाव के लिए अपना टेस्ट कराते गिरीश गौतम।

सनातन धर्म का प्रचार कर रहे साधु-संतों के साथ।

साईकिल यात्रा के दौरान ग्राम में चौपाल से जनता से बात करते हुए।

साईकिल यात्रा के दौरान धान श्रमिकों के साथ धान काटी।

साईकिल यात्रा के दौरान रात्रि विश्राम के समय लोकनृत्य करते हुए।

साईकिल यात्रा के दौरान आदिवासी परिवार के साथ भोजन करते हुए।

साईंकिल यात्रा का ग्रामीण माता-बहनों द्वारा कलश दिखाकर स्वागत किया।

साईंकिल यात्रा में शामिल जन सैलाब।

विधानसभा क्षेत्र देवतालाब में साईकिल यात्रा के समापन अवसर पर
मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, सांसद जनार्दन मिश्रा एवं
अन्य वरिष्ठों के साथ विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम।